नवसर्जन संस्कृति

TITLE CODE : UPHIN51496
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 211
दि. 02.12.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

वेंटिलेटर पर बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया, पीएम नरेंद्र मोदी ने शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

(जीएनएस)।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत नाजुक है और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है। सीने में संक्रमण के कारण उनके हृदय और फेफड़ों पर गंभीर असर पड़ा है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए भारत की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। इस बीच अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करके उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। बता दें कि 80 साल की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की मुखिया खालिदा जिया को 23 नवंबर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें सीने में संक्रमण था जिससे उनके हृदय और फेफड़ों पर बुरी तरह असर हुआ था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि बांग्लादेश के सार्वजनिक जीवन में कई वर्षों तक योगदान देने वाली बेगम खालिदा जिया के स्वास्थ्य के बारे में जानकर गहरी चिंता हुई। हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। भारत हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है।

खालिदा जिया को फेफड़ों में संक्रमण के कारण 23 नवंबर को राजधानी के एवरकेयर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मेडिकल बोर्ड के स्थानीय और विदेशी विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में अस्पताल के कोरोनरी केयर यूनिट (सीसीयू) में उनका इलाज चल रहा है।

विभिन्न बीमारियों से पीड़ित 80 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री अब डॉक्टरों की कड़ी निगरानी में हैं। डॉक्टरों के हवाले से बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा कि उनकी शारीरिक स्थिति बेहद गंभीर है।

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने बीएनपी अध्यक्ष खालिदा ज़िया की स्वास्थ्य स्थिति पर चिंता व्यक्त की। शुक्रवार रात, मुख्य सलाहकार ने अंतरिम सरकार के सलाहकार आसिफ नजरुल को खालिदा ज़िया की शारीरिक स्थिति की जानकारी लेने के लिए राजधानी के एवरकेयर अस्पताल भेजा। बेगम खालिदा ज़िया लंबे समय से हृदय रोग, मधुमेह, गठिया, लिवर सिरोसिस और गुर्दे की जटिलताओं सहित कई शारीरिक बीमारियों से पीड़ित हैं। वह 8 जनवरी को उन्नत उपचार के लिए लंदन गई थीं।

बेगम खालिदा कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित थीं

बेगम खालिदा लंबे समय से हृदय रोग, मधुमेह, गठिया, लिवर सिरोसिस और गुर्दे की जटिलताओं सहित कई शारीरिक बीमारियों से पीड़ित हैं। वह उन्नत उपचार के लिए 8 जनवरी को लंदन गई थीं। लंदन क्लिनिक में लगातार 17 दिनों तक इलाज कराने के बाद, 25 जनवरी को उन्होंने अपने बेटे तारिक रहमान के घर पर लंदन क्लिनिक के विशेषज्ञ डॉक्टरों प्रोफेसर पैट्रिक कैनेडी और प्रोफेसर जेनिफर क्रॉस की देखरेख में इलाज करवाया। ब्रिटेन में उन्नत उपचार के बाद, बीएनपी अध्यक्ष 6 मई को बांग्लादेश लौट आईं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में अहमदाबाद में राष्ट्र निर्माण में पारसियों द्वारा महामूल्यवान योगदान देने वाले पारसी धर्मगुरुओं का किया गया सम्मान

- राष्ट्र निर्माण में पारसियों का महामूल्यवान योगदान रहा है
- मैडम भीकाजी कामा, होमी भाभा, टाटा, वाडिया, गोदरेज परिवारों, फील्ड मार्शल माणेक शॉ आदि पारसियों का बड़ा योगदान रहा है
- दानवीरता का दूसरा नाम पारसी हैं, पारसियों ने भगवद् गीता का 'स्वधर्म' का संदेश आत्मसात किया है

गांधीनगर,01 दिसंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में सोमवार को अहमदाबाद में पारसी धर्मगुरुओं का सम्मान समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के करकमलों से पारसी धर्मगुरुओं को सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सभी को गीता जयंती की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है कि अपने धर्म में निष्ठापूर्वक जीना ही सबसे बड़ा कर्तव्य है। पारसी समाज के पूर्वजों ने भारत में आकर गीता के 'स्वधर्म' के संदेश को जिया और कभी अपने धर्म को नहीं छोड़ा है। पारसियों ने भगवद् गीता का स्वधर्म का संदेश आत्मसात किया है। अपने धर्म की रक्षा के लिए 1300 वर्ष पहले वे ईरान से स्थानांतरण कर गुजरात आए और दूध मे चीनी की तरह घुल गए। राष्ट्र निर्माण में पारसियों का महामूल्यवान योगदान रहा है। श्री पटेल ने कहा कि जिस तरह भगवान श्री कृष्ण द्वारा दिए गए गीता के ज्ञान को सदियों से जतन करके रखा गया है, उसी तरह पवित्र आतश की रक्षा से धर्म का अस्तित्व बनाए रखने की गाथा का युगों तक जतन करने के लिए नवसारी में टाइम कैप्सूल रखकर इतिहास को अमर रखने का कार्य पारसी समुदाय द्वारा किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र को यह टाइम कैप्सूल चरितार्थ करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की जो विभावना दी है, उसे पारसी समुदाय ने साकार किया है। साथ ही; उन्होंने पारसी समाज के विस्तार के लिए प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में शुरू की गई पीएम जियो पारसी योजना का भी उल्लेख किया। पारसी समाज गुजरात के सामाजिक जीवन में समरसता से घुल गया होने का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जहाँ-जहाँ यह समुदाय बसा, वहाँ दानवीरता-परोपकारिता का बीजारोपण हुआ है।

उनके पूर्वजों ने हमेशा समाज को कुछ न कुछ दिया है। इसीलिए कहा जाता है कि दानवीरता-परोपकारिता का दूसरा नाम पारसी हैं। अरीज खंभाता बेनेवोलेंट ट्रस्ट (एकेबेटी) पारसी समाज की दानवीरता की उसी परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। मुख्यमंत्री ने जोड़ा कि यह ट्रस्ट हेल्थकेयर, एजुकेशन तथा समाज कल्याण सहित विभिन्न क्षेत्रों में वंचित समुदाय के उत्थान के लिए समर्पित रहा है। एचआईवी पीड़ित लोगों के लिए भी यह ट्रस्ट कल्याण के अनेक कार्य करता है। ट्रस्ट के माध्यम से हर वर्ष हजारों लोगों के जीवन में परिवर्तन आ रहा है।

श्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर कहा कि अल्पसंख्यक होने के बावजूद भी पारसी समुदाय ने अपने संस्कारों, मूल्यों तथा सूझ-बूझ को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम काल से लेकर आज तक देश के विभिन्न क्षेत्रों में अपना देने वाले मैडम भीकाजी कामा, होमी भाभा, टाटा, वाडिया, गोदरेज परिवारों, फील्ड मार्शल सैम माणेक शॉ, फरदुनजी मर्जबान, नानी पालखीवाला, सोली सोराबजी, फली नरीमान सहित पारसी अग्रणियों को इस अवसर पर याद किया।

पारसी समुदाय के प्रमुख धार्मिक अग्रणी दस्तूरजी श्री खुर्शीद दस्तूर ने अरीज खंभाता बेनेवोलेंट ट्रस्ट के कामकाज की प्रसंसा करते हुए शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने पारसी सहित सभी समाजों को साथ लेकर सबके विकास के लिए निरंतर प्रयारसत रहने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

अरीज खंभाता बेनेवोलेंट ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी श्री पीरूज खंभाता ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'विकास विद विरासत' का मंत्र दिया है। पारसी प्रिस्ट्स का सम्मान इस मंत्र को साकार करता है। विकास में अग्रसर रहने वाला गुजरात मुख्यमत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में स्वास्थ्य, शिक्षा, जीवनशैली सहित हर मामले में निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने जोड़ा कि विकसित भारत के निर्माण में पारसी समाज अपना सक्रिय योगदान देने को तत्पर है।

उन्होंने इस अवसर पर ट्रस्ट के कामकाज की जानकारी देकर आगामी समय में पारसी समाज में धार्मिक शिक्षा में आगे बढ़ रहे युवाओं के लिए शुरू की जाने वाली छात्रवृत्ति की घोषणा की।

यहाँ उल्लेखनीय है कि दो दिवसीय कार्यक्रम अंतर्गत पारसी समाज की नई पीढ़ी को उनकी परंपरा तथा संस्कृति के प्रति जागृत करने वाले विभिन्न कार्यक्रमों तथा नाटक, म्यूजिक एवं कॉमेजी जैसे कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में देशभर से पारसी समाज के लोग उपस्थित रहने वाले हैं।

इस अवसर पर प्रमुख दस्तूरजी श्री टेमटन मिर्जा, प्रमुख दस्तूरजी श्री साइरस दस्तूरजी, एकेबेटी की ट्रस्टी श्रीमती परसीस अरीज खंभाता, श्रीमती बिनाइसा पीरूज खंभाता, पारसी

अंतर्राष्ट्रीय आईडीईए - दुनिया भर में लोकतंत्र का समर्थन करते हुए 30 वर्ष

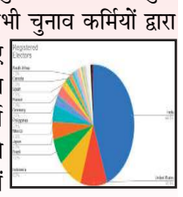

भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त और देश के सभी चुनाव कर्मियों द्वारा कराए गए स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव को दुनिया भर में पहचान मिलने के बाद, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार तीन दिसंबर 2026 को स्वीडन के स्टॉकहोम में भारत की ओर से अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन सहायता संस्थान (अंतर्राष्ट्रीय आईडीईए) के अध्यक्ष पद का कार्यभार संभालने वाले हैं।

अंतर्राष्ट्रीय आईडीईए 1995 में स्थापित हुआ, यह एक अंतर-सरकारी संगठन है, जिसके वर्तमान में 35 सदस्य देश हैं तथा अमेरिका और जापान पर्यवेक्षक (ऑब्जर्वर) के रूप में शामिल हैं।

अवैध बांग्लादेशियों पर योगी सरकार का कड़ा एक्शन

लखनऊ (यूपी): (जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अवैध रूप से उत्तर प्रदेश में रह रहे बांग्लादेशियों को तलाश कर डिटेंशन सेंटर में भेजने के सख्त निर्देश के बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया है. इसी क्रम में आज लखनऊ पुलिस ने राजधानी में एक बड़ा तलाशी अभियान चलाया. यह कार्रवाई मुख्य रूप से लखनऊ एयरपोर्ट के आसपास बनी झुग्गियों में की गई, जहां संदिग्धों के होने की सूचना थी. डीसीपी निपुण अग्रवाल की अगुवाई में पुलिस टीम ने इन इलाकों की सघन जांच की. झुग्गियों में रहने वाले लोगों पर अवैध बांग्लादेशी होने का संदेह है. हालांकि, ये लोग खुद को असम का मूल निवासी बताते हैं.

कूड़ा बीनने का काम और दस्तावेजों का दावा

निवासियों का दावा है कि वे लगभग 13 साल पहले रोजी-रोटी की तलाश में लखनऊ आए थे और अब यहीं कूड़ा बीनने का काम करते हैं. पुलिस की जांच के दौरान इन संदिग्धों ने अपने पास आधार कार्ड, एनआरसी (NRC) और अन्य संबंधित दस्तावेज होने का दावा किया. उन्होंने कहा कि जब उनके पास वैध दस्तावेज हैं, तो उन्हें पुलिस की जांच से डरने की कोई बात नहीं है.

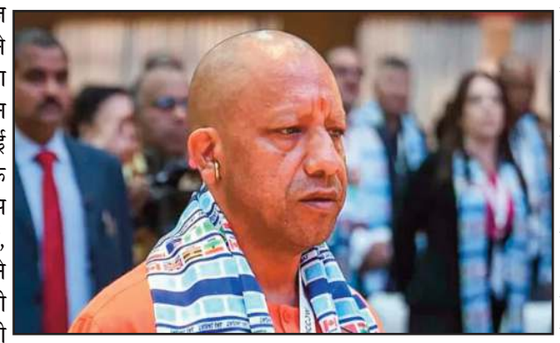

डिटेंशन सेंटर भेजने की तैयारी

फिलहाल, केवल लखनऊ ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश में संदिग्ध विदेशी नागरिकों की तलाश का अभियान जोर-शोर से चलाया जा रहा है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्पष्ट निर्देश हैं कि जितने भी अवैध बांग्लादेशी मिलेंगे, उन्हें पकड़कर डिटेंशन सेंटर में रखा जाएगा. इसके बाद, कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए उन्हें वापस उनके देश भेजने की कार्रवाई की जाएगी.

36 साल बाद रुबैया सईद किडनैपिंग केस में CBI ने 1 आरोपी को किया अरेस्ट, पूर्व गृह मंत्री की बेटी से जुड़ा केस

केंद्रीय गृह मंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रुबैया सईद के 1989 के अपहरण मामले में सीबीआई को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 35 साल से फरार

चल रहे शफात अहमद शांगलू को गिरफ्तार किया है। श्रीनगर के इश्बर निशात क्वार्टर का शफात अहमद शांगलू अपहरण में शामिल होने का आरोपी है। 36 साल पुराने इस संवेदनशील मामले में इस गिरफ्तारी ने नई जान फूंक दी है।

बता दें रुबैया सईद को जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (JKLF) के आतंकवादियों ने अगवा किया था।

संसद में अब वंदे मातरम पर होगी चर्चा, 10 घंटे का दिया गया समय

(जीएनएस)।

संसद के शीतकालीन सत्र में इस बार माहौल कुछ अलग होने वाला है, क्योंकि 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने पर लोकसभा में एक विशेष चर्चा आयोजित की जा रही है। सरकार ने फैसला लिया है कि इस राष्ट्रीय गीत की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और स्वतंत्रता संग्राम में निभाई गई भूमिका को समझने के लिए सदन में 10 घंटे की लंबी बहस होगी।

कब होगी चर्चा और कौन-कौन रहेगा शामिल?

यह चर्चा गुरुवार (03 दिसंबर) या शुक्रवार (04 दिसंबर) को हो सकती है। खास बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद इस बहस में हिस्सा लेंगे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा बुलाई गई ऑल-पार्टी मीटिंग और लोकसभा व राज्यसभा की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठकों में सभी दलों ने इस प्रस्ताव पर सहमति जताई। राज्यसभा में भी सत्ताधारी दलों के सदस्यों ने इसके समर्थन में जोरदार बात रखी।

राष्ट्रीय एकता का संदेश

सरकार ने इस चर्चा को राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बताते हुए सभी राजनीतिक दलों को इसमें शामिल होने का न्योता दिया है। माना जा रहा है कि यह बहस सिर्फ गीत तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि देश की सांस्कृतिक जड़ों और स्वतंत्रता आंदोलन की उस भावना को भी उजागर करेगी, जिसने भारत को एक सूत्र में बांधने का काम किया।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राज्यसभा को जानकारी दी कि केंद्र सरकार रक्षप्रक्रिया और चुनावी सुधारों पर विस्तृत चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने विपक्ष से आग्रह किया कि इस बहस पर किसी तरह की समय सीमा न तय की जाए, ताकि विषय पर गंभीर और व्यापक संवाद हो सके। बताया गया कि 30 सितंबर को राज्यसभा की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में सत्तापक्ष के कई सदस्यों ने इस चर्चा का प्रस्ताव रखा था। फिलहाल इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं हुआ है।

सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के बाहर मीडिया से लगभग 10 मिनट बातचीत की। उन्होंने कहा कि शीतकालीन सत्र को हार की निराशा या जीत के अहंकार से ऊपर उठकर संचालित किया जाना चाहिए। पीएम ने कहा कि नई पीढ़ी के सांसदों को अनुभवी नेताओं से सीखने का मौका मिलना चाहिए। उनका जोर इस बात पर था कि सदन में ड्रामा नहीं, बल्कि ठोस डिलीवरी होनी चाहिए और फोकस नारों पर नहीं, बल्कि नीतियों पर होना चाहिए।

संजय सिंह ने एसआईआर के नाम पर हो रहे घोटाले और बीएलओ की मौतों के मुद्दे पर राज्यसभा में चर्चा की उठाई मांग

(जीएनएस)।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह ने देश भर में एसआईआर के नाम पर हो रहे घोटाले और लगातार हो रही बीएलओ की मौतों के मुद्दे पर राज्यसभा में चर्चा की मांग को लेकर सोमवार को नोटिस दिया है। उन्होंने कहा है कि काम का बोझ, मानसिक तनाव व निलंबन के डर से मात्र 19 दिनों में एसआईआर कर रहे 16 बीएलओ की मौत हो चुकी है।

एसआईआर में मौजूदा मतदाताओं से नए दस्तावेज मांगे जा रहे हैं, जिसे जुटा पाना एक आम आदमी के लिए बहुत मुश्किल है। इन कमियों को बिना सुधारे 12 राज्यों में एसआईआर कराने की जल्दबाजी ने बड़े पैमाने पर लोगों का मताधिकार छिनने का खतरा बढ़ा दिया है। उन्होंने राज्यसभा से अपील की है कि एसआईआर पर तत्काल रोक लगाकर मतदाता सूची बहाल की जाए और चुनाव आयोग की जवाबदेही तय की जाए।

संजय सिंह ने राज्यसभा के प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमों के नियम 267 (नियमों के निलंबन हेतु प्रस्ताव की सूचना) के अंतर्गत यह नोटिस दिया है। इसमें मनमाने तरीके से मतदाताओं के वोट काटने, बीएलओ की मौतें, मताधिकार से वंचित करने के खतरे और अनुच्छेद 14, 21 और 326 पर गंभीर संकट के संबंध में सदन में चर्चा की मांग की गई है।

उन्होंने नोटिस में कहा है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) ने चुनावी निष्पक्षता पर एक देशव्यापी संकट खड़ा कर दिया है। यह प्रक्रिया, जिसका उद्देश्य मतदाता सूची को अपडेट और शुद्ध करना था, इसके उलट बड़े पैमाने पर मनमाने ढंग से नाम काटने, प्रक्रिया के घोर उल्लंघन और व्यापक मानवीय पीड़ा का कारण बन गई है। इसने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर दिया है।

संजय सिंह ने कहा है कि एसआईआर की वजह से बिहार में अभूतपूर्व और अनुचित तरीके से नाम हटाए गए हैं, जहां बिना किसी उचित सत्यापन के 65 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए। कई विधानसभा क्षेत्रों में हटाए गए नामों की संख्या पिछले जीत के अंतर से भी अधिक है। यह प्रवासियों, महिलाओं, अल्पसंख्यकों और कमजोर वर्गों को लक्षित करके उन्हें मताधिकार से वंचित करने की आशंका को जन्म देता है। अपील करने के किसी सार्थक तंत्र का न होना और नाम हटाने की अपारदर्शी प्रक्रिया, उचित प्रक्रिया और पारदर्शिता की पूर्ण विफलता को दर्शाती है।

राजकीय पांडुलिपि पुस्तकालय संस्कृति विभाग, प्रयागराज में श्रीमद् भगवद्गीता जयंती मनाई गई

रिपोर्ट संजय निषाद प्रयागराज

बटुक ब्रह्मचारियों के द्वारा किए गए वैदिक मंगलाचरण से प्रदर्शनी एवं विचार गोष्ठी का हुआ शुभारंभ

राजकीय पांडुलिपि पुस्तकालय संस्कृति विभाग प्रयागराज में गीता जयंती 2025 के अवसर पर श्री कृष्ण एवं गीता पर आधारित दुर्लभ पांडुलिपियों की चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया इस प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रो. एच. एन. दुबे,पूर्व विभागाध्यक्ष, प्राचीन इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने किया ' इस अवसर पर उन्होंने अपने वक्तव्य में बताया कि श्रीमद् भगवद गीता का पूरे विश्व मेंआदर है क्योंकि यह एक धर्मनिरपेक्ष ग्रंथ है' उन्होंने यह भी बताया कि भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को निमित्त बनाकर प्रत्येक मानव के लिए गीता का उपदेश किया है '

जगत तारन एवं सीएमपी महाविद्यालय से आए छात्र-छात्राओं ने भगवान श्री कृष्ण एवं गीता पर आधारित दुर्लभ पांडुलिपियों की चित्र प्रदर्शनी व मूल पाण्डुलिपियों का भी अवलोकन किया। प्रदर्शित पांडुलिपियों में श्रीमद् भागवत गीता के विभिन्न भाष्य एवं टीका, रिभु गीता, पांडव गीता, अर्जुन गीता, उत्तर गीता, फारसी भाषा में लिखित श्रीमद् भागवत महापुराण एवं गीता, उर्दू भाषा में लिखित गीता, श्रीमद् भागवत गीता एवं विविध स्तोत्र आदि पांडुलिपियों प्रदर्शित की गई '

महंत विचारानंद संस्कृत महाविद्यालय ,बाघम्बरी मठ, प्रयागराज के छात्र-छात्राओं ने उपस्थित होकर प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा स्वस्ति वाचन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया '

कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों के प्रति आभार प्रकट एवं स्वागत पांडुलिपि अधिकारी श्री गुलाम सरवर कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन प्राविधिक सहायक संस्कृत श्री हरिश्चंद्र दुबे ने किया '

कार्यक्रम में डॉ शाकिरा तलत, अजय मौर्या रुचि मिश्रा, मोहम्मद सफीक,आनंद एवं अभिषेकआदि उपस्थित रहे '

एयर मार्शल तेजबीर सिंह ने महानिदेशक (निरीक्षण एवं सुरक्षा) के रूप में पदभार संभाला

(जीएनएस)।

एयर मार्शल तेजबीर सिंह ने 01 दिसंबर, 2025 को वायु सेना मुख्यालय में महानिदेशक (निरीक्षण और सुरक्षा) यानी डीजी (आई एंड एस) के रूप में पदभार ग्रहण किया।

वायु सेना अधिकारी ने अपने 37 वर्षों के शानदार करियर में, विभिन्न कमान और स्टाफ पदों पर कार्य किया है, जिनमें बांग्लादेश में हमारे एयर अटैची, राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज, नई दिल्ली में वरिष्ठ निर्देशन स्टाफ (वायुसेना) और वायु सेना मुख्यालय में सहायक वायु सेना संचालन प्रमुख (टी एंड एच) शामिल हैं। वे रॉयल कॉलेज ऑफ डिफेंस स्टडीज, ब्रिटेन के पूर्व-छात्र हैं।

एयर मार्शल तेजबीर सिंह के पास व्यापक संचालन का अनुभव है और उनके नाम 7000 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव है। वे भारतीय वायु सेना में सी-130जे 'सुपर हरक्यूलिस' विमान को शामिल करने और संयुक्त अभियानों के उद्देश्य से पहली 'स्पेशल ऑप्स' स्क्वाड्रन की स्थापना में अग्रणी रहे हैं। एयर ऑफिसर ने दो प्रमुख उड़ान अड्डों, एक प्रमुख प्रशिक्षण अड्डे और उत्तरी क्षेत्र को सहायता प्रदान करने वाले एक अग्रिम पंक्ति के परिचालन हवाई अड्डे की कमान संभाली है। मुख्यालय प्रशिक्षण कमान में वरिष्ठ वायु कर्मचारी अधिकारी के रूप में अपने पिछले कार्यकाल में, उन्होंने प्रशिक्षण दर्शन को संचालन संबंधी उद्देश्यों के साथ तालमेल बिठाने के लिए एक रणनीतिक परिवर्तन का नेतृत्व किया।

एयर मार्शल तेजबीर सिंह को उनकी विशिष्ट सेवा के सम्मान में 2010 में वायु सेना पदक और 2018 में अति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया।

उन्होंने एयर मार्शल मकरंद भास्कर रानाडे का स्थान लिया, जो 39 वर्षों की विशिष्ट सेवा के बाद 30 नवंबर, 2025 को सेवानिवृत्त हुए।

रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में अनुसंधान और विकास

(जीएनएस)।

सरकार ने रक्षा विनिर्माण में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए निम्न कदम उठाए हैं

निजी उद्योगों सहित विकास सह उत्पादन साझेदार (डीसीपीपी)/उत्पादन एजेंसी (पीए): रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों को शामिल करते हुए प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के माध्यम से संभावित विनिर्माण एजेंसी की पहचान करने और उत्पादन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विनिर्माण प्रौद्योगिकी को स्थानांतरित करने के लिए डीसीपीपी मॉडल लागू किया है।

उद्योगों को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (टीओटी): डीआरडीओ ने उप-प्रणालियों, प्रणालियों और उपकरणों के निर्माण हेतु 2000 उद्योगों का एक समूह विकसित किया है। डीआरडीओ द्वारा विकसित प्रणालियों की प्रौद्योगिकी, विकास सह उत्पादन भागीदार (डीसीपीपी)/उत्पादन एजेंसी (पीए)/विकास भागीदार (डीपी) के लिए शून्य टीओटी शुल्क पर घरेलू उद्योगों को हस्तांतरित की जाती है। इन उद्योगों को डीआरडीओ के वैज्ञानिकों की परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

डीआरडीओ पेटेंट: भारतीय उद्योगों द्वारा डीआरडीओ पेटेंट के मुक्त क्षेत्र की नीति लागू की गई है।

प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीडीएफ): रक्षा मंत्रालय की टीडीएफ योजना को डीआरडीओ द्वारा सार्वजनिक/निजी उद्योगों, विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई)/स्टार्ट-अप्स की भागीदारी को प्रोत्साहित करने और मेक-इन-इंडिया पहल के तहत रक्षा प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए क्रियान्वित किया जाता है। टीडीएफ के माध्यम से स्वीकृत परियोजनाओं को भी काफी सफलता मिली है, जिनमें से 26 प्रौद्योगिकियों का विकास किया गया है और दो परियोजना प्रणालियों को ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) मिशन के तहत अंतरिक्ष में भेजा गया है। सरकारी आदेश के अनुरूप, डीप-टेक और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए टीडीएफ योजना के लिए 500 करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि स्वीकृत की गई है।

नई स्टार्ट-अप नीति: डीआरडीओ इन उभरते स्टार्ट-अप्स के साथ संपर्क को सुगम बनाने के लिए एक नई नीति ला रहा है। इस नीति का उद्देश्य स्टार्ट-अप्स के साथ जुड़ने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना और रक्षा अनुप्रयोगों के लिए उनके नवीन विचारों का लाभ उठाना है।

डेयर टू ड्रीम: चार डेयर टू ड्रीम प्रतियोगिताएं सफलतापूर्वक आयोजित की जा चुकी हैं। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य रक्षा और एयरोस्पेस में नवाचार और प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने के लिए एक ऐसे इकोसिस्टम का निर्माण करना है, जिसमें भविष्य में स्टार्ट-अप्स और व्यक्तिगत नवप्रवर्तकों को अनुसंधान एवं विकास में शामिल करके भारतीय रक्षा और एयरोस्पेस आवश्यकताओं को अपनाने की अच्छी संभावनाएं हैं।

उद्योगों को परीक्षण सुविधा सहायता: डीआरडीओ प्रयोगशालाओं में कई विश्व स्तरीय अनुसंधान एवं विकास परीक्षण सुविधाएं अब उद्योगों के लिए उपलब्ध हैं और इनके लिए आवश्यक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) भी तैयार कर ली गई है। डीआरडीओ की 24 प्रयोगशालाओं की परीक्षण सुविधाओं को रक्षा परीक्षण पोर्टल (डीटीपी) पर अपलोड कर दिया गया है। यह पोर्टल मंत्रालय की परीक्षण अवसंरचना रक्षा उद्योगों को पारदर्शी ढंग से उपलब्ध कराता है।

उद्योगों के साथ संपर्क: उद्योगों की सुविधा के लिए प्रयोगशालाओं में उद्योग संपर्क समूह (आईआईजी) स्थापित किए गए हैं।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास बजट का 25 प्रतिशत उद्योग, स्टार्ट-अप और शिक्षा जगत के लिए खोला गया: वर्ष 2022-23 की बजट घोषणाओं के आधार पर रक्षा अनुसंधान एवं विकास बजट का 25 प्रतिशत उद्योग, स्टार्ट-अप और शिक्षा जगत के लिए खोल दिया गया है।

बा' अनुसंधान: बा' अनुसंधान का उद्देश्य महत्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में आवश्यक ज्ञान और क्षमताओं का विकास करना, शोधकर्ताओं के साथ संपर्क स्थापित करना, कुशल मानव संसाधन विकसित करना और देश में विकसित हो रहे रक्षा अनुसंधान एवं विकास इको सिस्टम का समर्थन करने के लिए भारतीय शैक्षणिक संस्थानों/अनुसंधान केंद्रों में अनुसंधान अवसंरचना को बढ़ावा देना है।

डीआरडीओ-उद्योग-अकादमिक उत्कृष्टता केंद्र (डीआईए-सीओई): डीआरडीओ के पास डीआरडीओ उद्योग-अकादमिक उत्कृष्टता केंद्र (डीआईए-सीओई) के एक नेटवर्क के माध्यम से रक्षा और सुरक्षा अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण और भविष्योन्मुखी प्रौद्योगिकियों के विकास में सहयोगात्मक निर्देशित अनुसंधान हेतु नीति और तंत्र मौजूद है। इसके तहत कुल 15 डीआईए-सीओई स्थापित किए गए हैं जो लगभग 82 चिन्हित अनुसंधान क्षेत्रों में अनुवादात्मक अनुसंधान गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं।

रक्षा उद्योग गलियारे: डीआरडीओ उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु रक्षा औद्योगिक गलियारे को ज्ञान भागीदार के रूप में उद्योगों के साथ सहयोग करके सहायता प्रदान कर रहा है। इन गलियारों की स्थापना 'आत्मनिर्भरता' प्राप्त करने और 'मेक इन इंडिया' के लक्ष्य को साकार करने के लिए की गई है।

रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (आईडीईएक्स): माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अप्रैल 2018 को रक्षा के लिए नवाचार इको सिस्टम आईडीईएक्स की शुरूआत की थी। इसका उद्देश्य स्टार्ट-अप्स/एमएसएमई/व्यक्तिगत इनोवेटर्स, अनुसंधान और विकास संस्थानों और शिक्षाविदों सहित उद्योगों को शामिल करके रक्षा और एयरोस्पेस में नवाचार और प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देना है।

सित्तनवसल का ऐतिहासिक महत्व

(जीएनएस)।

सित्तनवसल, तमिलनाडु के पुदुक्कोट्टई जिले के विरालिमलाई विधानसभा क्षेत्र में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की देखरेख और रखरखाव के तहत राष्ट्रीय महत्व का एक स्मारक है। इसका ऐतिहासिक और पुरातत्विक महत्व बहुत अधिक है। इसमें जैन तपस्वियों के पत्थर के बिस्तर और तमिल-ब्राह्मी शिलालेखों वाला शैलाश्रय, 7वीं-9वीं सदी में चट्टान को काटकर बनाया गया गुफा मंदिर जिसमें शुरूआती दुर्लभ भित्ति चित्र इत्यादि शामिल हैं, जो आरंभिक जैन चरित्रों और पुरानी कला परंपराओं को दशार्ते हैं।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने सित्तनवसल स्मारकों के संरक्षण, अनुसंधान और संवर्धन के लिए लगातार कदम उठाए हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण आवश्यकतानुसार विशेष मरम्मत कार्यों, वार्षिक रखरखाव और अनुरक्षण के माध्यम से इनका संरक्षण सुनिश्चित करता है। ये भित्ति-चित्र भलि-भांति परिरक्षित हैं। इसके अलावा, मंडल कार्यालय द्वारा स्थानीय जनता और छात्रों को शामिल करके स्मृति धरोहर की बेहतर समझ और इसके प्रचार के लिए सांस्कृतिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

वर्तमान में, सित्तनवसल में अतिरिक्त अवसंरचना विकास का कोई प्रस्ताव नहीं है। इस स्थल में पहले से ही बुनियादी पर्यटक सुविधाएं जैसे शौचालय, पेयजल, क्यूआर-कोड आधारित संकेतक, सांस्कृतिक और स्मारक सुरक्षा सूचना बोर्ड, पत्थर की बेंच, प्रकाशन काउंटर, गाड़ी योग्य सड़क आदि है।

यह जानकारी केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने आज लोकसभा में एक लिखित उत्तर में दी।

राष्ट्रपति ने फुटवियर डिजाइन एवं विकास संस्थान के दीक्षांत समारोह को संबोधित किया

(जीएनएस)।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (1 दिसंबर, 2025) नई दिल्ली में फुटवियर डिजाइन एवं विकास संस्थान के दीक्षांत समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में

कहा कि भारत तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है और वैश्विक आर्थिक मंच पर आर्थिक भूमिका विस्तारित करने में सक्षम है। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत फुटवियर क्षेत्र को 'चैंपियन सेक्टर' का दर्जा दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार फुटवियर क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने के साथ ही प्रोत्साहन दे रही है।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत फुटवियर उत्पादन और इसके खपत के मामले में विश्व में दूसरे स्थान पर है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का फुटवियर निर्यात 2500 मिलियन डॉलर से कुछ अधिक था जबकि इसका आयात लगभग 680 मिलियन डॉलर था। इसे देखते हुए भारत का फुटवियर निर्यात आयात का लगभग चार गुना है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व में फुटवियर का प्रमुख निर्यातक है पर इसे और बढ़ाने के लिए फुटवियर व्यवसाय का विस्तार जरूरी है जिससे इस क्षेत्र के विद्यार्थियों को उद्यम स्थापित कर रोजगार सृजन या उद्यमों में रोजगार पाने के अवसर बढ़ेंगे।

राष्ट्रपति ने फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट और नॉर्थम्प्टन विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हर्ष प्रकट किया। उन्होंने कहा कि इससे भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते के अंतर्गत सहयोग और गहन होगा। उन्होंने रेखांकित कि यह समझौता ज्ञापन टिकाऊ सामग्रियों और चक्रीय अर्थव्यवस्था पर विशेष जोर देता है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास पर्यावरण संरक्षण के प्रति दोनों देशों की प्रतिबद्धता दशार्ते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि फुटवियर डिजाइन के क्षेत्र के कई महत्वपूर्ण पहलू हैं। उन्होंने स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थियों को अपने कार्यों द्वारा समाज और देश के लिए बहुमुखी योगदान देने के व्यापक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे फुटवियर डिजाइन से लोगों के स्वास्थ्य और उपादेयता, कार्यक्षमता में सुधार, अपने कार्य द्वारा लोगों के लिए रोजगार सृजित करने, अपेक्षाकृत पीछे रह गए लोगों को आर्थिक विकास में भागीदार बनाने, भारत के निर्यात में योगदान देकर अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने, गुणवत्तापूर्ण उत्पादों द्वारा वैश्विक बाजार में भारत को ब्रांड एंबेसडर बनाने और 'आत्मनिर्भर भारत' के राष्ट्रीय लक्ष्य की दिशा में अपना योगदान देने की हेतु कार्य करें।

एनसीपीओआर भारत के ध्रुवीय और महासागरीय अन्वेषण का आधार बन गया है: गोवा के राज्यपाल

संस्थान की रजत जयंती के उपलक्ष्य में विशेष स्मृति डाक टिकट जारी किया गया

प्रविष्टि तिथिः 01 अ्एउ 2025 5:59ढट्ु८ ढक्ह ऊै

गोवा के राज्यपाल श्री पुसापति अशोक गजपति राजू ने आज (1 दिसम्बर 2025) वास्कोडिगामा में एनसीपीओआर परिसर में अंटार्कटिका दिवस सहारोह में बोलते हुए कहा कि राष्ट्रीय ध्रुवीय और महासागर अनुसंधान केंद्र भारत के ध्रुवीय और महासागरीय अन्वेषण का आधार बन गया है। अंटार्कटिका संधि पर 1 दिसम्बर 1959 को हस्तक्षर किए जाने की याद में दुनियाभर में अंटार्कटिका दिवस मनाया जाता है। यह संधि अंटार्कटिका महाद्वीप को पूर्णतः शांति और वैज्ञानिक अनुसंधान हेतु सुरक्षित घोषित करती है।

राज्यपाल, जो इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, ने एनसीपीओआर की स्थापना की रजत जयंती के उपलक्ष्य में एक विशेष स्मृति डाक टिकट भी जारी किया।

राज्यपाल ने कहा कि केन्द्र सरकार के डाक विभाग द्वारा स्मृति डाक टिकट जारी करना एनसीपीओआर के उल्लेखनीय योगदान और 5 अप्रैल 2000 को अपनी स्थापना के बाद से ध्रुवीय एवं महासागर अनुसंधान में राष्ट्र को समर्पित 25 वर्षों की गौरवशाली सेवा की एक महत्वपूर्ण स्वीकृति है।

उन्होंने कहा, "इस संस्थान ने 25 वर्षों से हमारी पृथ्वी के कुछ सबसे असाधारण क्षेत्रों में भारत की वैज्ञानिक कल्पना का विस्तार किया है। एनसीपीओआर ने गहरे महासागर मिशन का नेतृत्व भी किया है। यह उस विचार को आगे बढ़ाता है जो ज्ञान का एक साधन और राष्ट्रीय रणनीति का एक उपकरण दोनों है। ध्रुवीय क्षेत्र दूर लग सकता है, लेकिन इसका प्रभाव हम सभी पर पड़ता है।

नमो घाट पर इंस्टॉलेशन आर्ट प्रतियोगिता, छात्रों द्वारा बनाए आर्ट कृतियों में दिखा काशी और तमिल संस्कृति का अनोखा संगम

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के अंतर्गत काशी तमिल संगमम्-4.0 का आयोजन 2 दिसंबर से वाराणसी में होने जा रहा है। यह पूरा आयोजन शिक्षा मंत्रालय की देखरेख में हो रहा है। वाराणसी में इस आयोजन की मेजबानी काशी हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही है। आयोजन से पहले कई कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जोड़ा जा रहा है।

इसी क्रम में नमो घाट के पावन तट पर 'इंस्टॉलेशन आर्ट प्रतियोगिता-2025' का भव्य आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य काशी और तमिलनाडु की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव मनाना था। लर्न तमिल थीम पर आधारित इस प्रतियोगिता में बीएचयू सहित अन्य कॉलेज के 50 से अधिक स्टूडेंट्स ने भाग लिया। प्रतियोगिता सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चली। जिसमें प्रतिभागियों ने व्यक्तिगत तथा समूह दोनों रूपों में भाग लिया। इस आयोजन में प्रस्तुत इंस्टॉलेशन आर्ट कृतियों में मंदिर स्थापत्य, द्रविड़ एवं नागर शैली की झलक, काशी की

गलियों की जीवंतता, काशी विश्वनाथ मंदिर के आध्यात्मिक दृश्यों, नटराज की गतिमय आकृति तथा तमिलनाडु के पारंपरिक नृत्य-संगीत तत्वों को दशार्या गया। कलाकारों ने लकड़ी, मिट्टी, कपड़े, धातु, लालटेन, जूट और पुनर्चक्रित सामग्री का उपयोग करते हुए सांस्कृतिक एकता और परंपराओं के गहरे संबंध को रचनात्मक रूप से व्यक्त किया।

कार्यक्रम के समन्वयक, फैकल्टी ऑफ विजुअल आर्ट्स के सहायक प्रोफेसर साहेब राम तुडु और डॉ. आशीष कुमार गुप्ता ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों को न केवल कलात्मक स्वतंत्रता देना है बल्कि उन्हें भारतीय सांस्कृतिक विविधताओं को अनुभवात्मक रूप से समझने का अवसर प्रदान करना भी है। उनका कहना कि काशी और तमिलनाडु का ऐतिहासिक व आध्यात्मिक रिश्ता कला के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुँचाया जाना आवश्यक है। स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों ने भी बड़ी संख्या में पहुँचकर इस सांस्कृतिक कला-उत्सव का आनंद लिया। नमो घाट की सुंदरता और कलाकारों की रचनात्मक अभिव्यक्तियों ने इसे एक यादगार आयोजन बना दिया। कार्यक्रम की सफलता ने सिद्ध कर दिया कि कला दो संस्कृतियों के बीच सेतु का कार्य करते हुए एकता, सौहार्द और परंपरा के साझा धागों को और अधिक मजबूती देती है।

काशी तमिल संगमम् 4.0 के अंतर्गत वसंत कॉलेज में प्रमोशनल अकादमिक गतिविधियों की शुरूआत

(जीएनएस)।

काशी तमिल संगमम् 4.0 के अंतर्गत वसंत कॉलेज फॉर वीमेन,वाराणसी में 26 नवंबर 2025 से प्रमोशनल अकादमिक गतिविधियों की श्रृंखला आरंभ हुई। जिसका उद्देश्य काशी और तमिलनाडु के सहस्राब्दियों से चले आ रहे सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं भाषाई संबंधों को नई ऊर्जा प्रदान करना है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय तथा उत्तर प्रदेश सरकार की सहभागिता में और काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के समन्वय से आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. जी. थवासी मुरुगन द्वारा किया गया।

प्रथम दिवस पर आयोजित विशेष व्याख्यान सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. जगदीशन टी., सहायक प्रोफेसर (भारतीय भाषाएँ) एवं कोर कमेटी सदस्य, ङळर ने 'तमिल करकलाम' अर्थात तमिल शिक्षण को इस वर्ष के संगमम् की मूल थीम बताते हुए कहा कि तमिल भाषा केवल एक भाषा ही नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की प्राचीनतम और समृद्ध ज्ञान-धरोहरों में से एक है। उन्होंने कहा कि काशी और तमिलनाडु का आध्यात्मिक संबंध अत्यंत पुराना है, जो तीर्थ, परंपरा, साहित्य, संगीत, स्थापत्य और दर्शन के माध्यम से दोनों क्षेत्रों को अविच्छिन्न रूप से जोड़ता है। तमिल संतों और विद्वानों की काशी यात्राओं ने यहाँ की सांस्कृतिक चेतना को निरंतर समृद्ध किया है, जिससे यह संबंध और अधिक प्रगाढ़ हुआ है।

उन्होंने इस तथ्य पर बल दिया कि भारत की भाषाई विविधता उसकी सबसे बड़ी शक्ति है और भारतीय भाषाओं का अध्ययन न केवल हमारी पहचान को सुदृढ़ करता है, बल्कि ज्ञान और रोजगार के अवसरों का विस्तार भी करता है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

पत्रकार के घर के ध्वस्तीकरण की जिम्मेदारी लेकर केंद्र-राज्य का टकराव

जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रादेश होने के कारण सत्ता राज्य और केंद्र दोनों में विभाजित है, यही कारण है कि जब भी कोई फैसला उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के कार्यालय से आता है तो राज्य सरकार पल्ला झाड़ लेती है और यदि कोई आदेश मुख्यमंत्री कार्यालय से आता है तो उपराज्यपाल कार्यालय चुप्पी साध लेता है। इसका परिणाम यह होता है कि राज्य के प्रशासनिक अधिकारी अपने मनमर्जी से फैसले भी ले रहे हैं और उसे लागू करके लोगों को चौंका रहे हैं। अभी बृहस्पतिवार को जम्मू के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित एक पत्रकार का घर जम्मू-विकास प्राधिकरण यानि जेडीए ने ध्वस्त कर दिया। राज्य सरकार का कोई बड़ा-छोटा मंत्री या मुख्यमंत्री कुछ नहीं बोला। किन्तु जब शुक्रवार और शनिवार को हंगामा बढ़ गया तो भाजपा के नेता रविन्दर रैना ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से बात की, पता चला कि वहां से ध्वस्तीकरण का कोई भी आदेश जारी नहीं हुआ था। अब भाजपा के लोगों ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि जेडीए की कार्रवाई हो रही है और प्रातिदिन अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई के दौरान ध्वस्तीकरण हो रहे हैं लेकिन मुख्यमंत्री गहरी निन्द्रा में होने के कारण किसी के भी खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। इस आलोचना के बाद राज्य सरकार के उपमुख्यमंत्री सुरिन्दर चौधरी सामने आए और उन्होंने राज्य सरकार की तरफ से सफाई दी कि पत्रकार का घर गिराने का आदेश मुख्यमंत्री ने नहीं दिया। दरअसल राज्य सरकार अपनी जिम्मेदारियों से भाग रही है। यदि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जम्मू में तेजी से चल रही है तो किसी का भी घर कार्रवाई के दायरे में आ सकता है। जब भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई प्राधिकरण के लोग लेते हैं तो इसकी जानकारी केंद्र शासित प्रदेश में उपराज्यपाल के सचिव, मुख्यमंत्री के प्राधान सचिव, राज्य के मुख्य सचिव एवं राज्य के पुलिस प्राुख को अवश्य होती है क्योंकि प्राधिकरण के आयुक्त कार्रवाई के पहले उक्त अधिकारियों को सूचित करने के लिए प्रशासनिक प्राक्रिया के तहत बाध्य हैं। ऐसे में उपरोक्त कोई भी जिम्मेदार अधिकारी इस बात से इंकार कर ही नहीं सकता कि पत्रकार डैंग के घर के ध्वस्तीकरण की पूर्व सूचना उसे नहीं थी। उपमुख्यमंत्री सुरिन्दर चौधरी ने जिस तरह दावा किया कि मुख्यमंत्री की तरफ से निर्देश ही नहीं था फिर पत्रकार का घर कैसे ध्वस्त हुआ? चौधरी ने यह भी कहा कि ध्वस्तीकरण में सहयोग पुलिस ने दिया और पुलिस उपराज्यपाल के तहत है, इसलिए उपराज्यपाल को जांच करानी चाहिए कि ध्वस्तीकरण का यह आदेश किसने दिया? सच तो यह है कि डैंग के घर गिरने के बाद अब राज्य सरकार यह साबित करना चाहती है कि उसने इस संदर्भ में कोई निर्देश नहीं दिया। बिल्वुल सही न तो मुख्यमंत्री इस तरह का निर्देश देते और न ही उपराज्यपाल। निर्देश तो तीसरे सबसे बड़े अधिकारी राज्य के मुख्य सचिव भी नहीं देते। निर्देश तो जारी होता है विकास प्राधिकरण के कार्यालय से और तत्संबंधी सूचनाएं ही भेजी जाती हैं। उपमुख्यमंत्री के दावे मात्र नेताजी की राजनीतिक अभिनय है। पहले तो एक सामान्य पत्रकार की चिन्ता नहीं की गईं और अब अपने बचाव में भ्रामक बयान दिए जा रहे हैं। हैरानी की बात है कि यदि पत्रकार डैंग का घर अवैध रूप से अतिक्रमण करके बनाया गया था तो जम्मू की स्थानीय निकाय के अधिकारी और कर्मचारी क्या कर रहे थे! बहरहाल यह घटना सरकार के लिए बहुत छोटी है किन्तु एक पत्रकार जो समाज का सामान्य प्राणी है, उसके लिए तो बहुत बड़ी विपत्ति की स्थिति है। कुछ राज्यों को छोड़कर पत्रकार सरकार की नजरों में इसी तरह उपेक्षा के शिकार हैं। जब तक सरकारें पत्रकारों के पाति संवेदनशील नहीं होंगी, पत्रकारों के प्राति इसी तरह अधिकारी अनियंत्रित होकर कार्रवाई करते रहेंगे। यदि अधिकारी यह समझ पाएं कि पत्रकार का घर ध्वस्त करने पर उसी के खिलाफ कार्रवाई हो जाएगी तो अधिकारी भी पत्रकारों के प्राति संवेदनशील हो जाएंगे। आश्चर्य की बात तो यह है कि जो पत्रकार लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा कराने के माध्यम माने जाते हैं, उन्हें भी शासकीय तंत्र के संवेदनहीनता का शिकार होना पड़ता है।

राज्यसभा के सभापति श्री सी.पी. राधाकृष्णन के अभिनंदन के दौरान पीएम मोदी का वक्तव्य

श्री सी.पी. राधाकृष्णन जी एक साधारण कृषक पृष्ठभूमि से आते हैं और उन्होंने अपना पूरा जीवन जन सेवा के लिए समर्पित किया है: प्रधानमंत्री

सेवा, समर्पण और संयम श्री सी.पी. राधाकृष्णन जी के व्यक्तित्व का अभिन्न अंग रहे हैं: प्रधानमंत्री

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज पहली बार राज्यसभा की अध्यक्षता करने पर उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन का स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने इस दिन को राज्यसभा के सभी माननीय सदस्यों के लिए गौरव का क्षण बताया। सभापति का हार्दिक स्वागत करते हुए, श्री मोदी ने कहा, "इस सदन की ओर से और अपनी ओर से, मैं आपको हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। मैं आपको यह भी विश्वास दिलाता हूं कि इस उच्च सदन के सभी माननीय सदस्य इस प्रतिष्ठित संस्था की गरिमा को सदैव बनाए रखेंगे और अपनी गरिमा बनाए रखने के प्रति भी सदैव सजग रहेंगे। यह मेरा आपको दृढ़ आश्वासन है।"

श्री मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि चूंकि शीतकालीन सत्र में प्रमुख राष्ट्रीय मामलों पर विचार-विमर्श किया जाएगा, इसलिए सभापति का नेतृत्व राज्यसभा के कामकाज को और समृद्ध बनाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसान परिवार से आने वाले चेयरमैन श्री राधाकृष्णन ने अपना पूरा जीवन समाज सेवा में समर्पित कर दिया। श्री मोदी ने कहा, "समाज सेवा उनकी निरंतर पहचान रही है। राजनीति तो बस एक पहलू थी, सेवा भावना उनके जीवन के मूल में रही।" प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि जन कल्याण के प्रति उनकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता उन सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है जो समाज सेवा को महत्व देते हैं।

अध्यक्ष के व्यापक सार्वजनिक जीवन पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने कॉयर बोर्ड को एक ऐतिहासिक रूप से अत्यधिक कार्यनिष्पादन करने वाली संस्था में बदलने में उनकी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने झारखंड, महाराष्ट्र, तेलंगाना और पुडुचेरी में राज्यपाल और उपराज्यपाल के रूप में

उनकी समर्पित सेवा की भी सराहना की। प्रधानमंत्री ने झारखंड के आदिवासी समुदायों के साथ उनके गहन जुड़ाव की विशेष रूप से प्रशंसा की, जहां वे अक्सर दूर-दराज के गांवों की यात्रा करते थे और लोगों की जरूरतों को समझने के लिए छोटी-छोटी बस्तियों में रात बिताते थे।

उन्होंने कहा, "राज्यपाल के पद पर रहते हुए भी आपकी सेवा भावना और भी निखरती गई।"

वर्षों के जुड़ाव के अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री राधाकृष्णन प्रोटोकॉल की सीमाओं से ऊपर उठकर खुद को अलग पहचान देते हैं। श्री मोदी ने जोर देकर कहा, "सार्वजनिक जीवन में, प्रोटोकॉल से परे जीने की एक विशेष शक्ति होती है और हमने हमेशा आपमें वह शक्ति देखी है।" प्रधानमंत्री ने कहा कि हालांकि सभापति श्री राधाकृष्णन का जन्म "डॉलर सिटी" में हुआ था, जो अपनी एक मजबूत पहचान वाला स्थान है, फिर भी उन्होंने डॉलर सिटी के उन लोगों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित करना चुना जो उत्पीड़ित, हाशिए पर पड़े या वंचित समुदायों से थे।

प्रधानमंत्री ने बताया कि बचपन में श्री सी.पी. राधाकृष्णन को एक बार मृत्यु का अनुभव हुआ था जब वे अविनाशी मंदिर के तालाब में डूबते-डूबते बचे थे। उन्होंने बताया कि सभापति और उनका परिवार अक्सर उनके बच जाने को ईश्वरीय कृपा बताते हैं। एक और जानलेवा घटना का जिक्र करते हुए, प्रधानमंत्री ने कोयंबटूर में हुए विनाशकारी बम विस्फोट का जिक्र किया जो श्री लाल कृष्ण आडवाणी की निर्धारित यात्रा से कुछ समय पहले हुआ था। इस विस्फोट में लगभग 60 से 70 लोगों की जान चली गई थी और सभापति बाल-बाल बच गए थे।

श्री मोदी ने कहा, "इन घटनाओं ने, जिन्हें वे ईश्वरीय हस्तक्षेप के संकेत मानते हैं, समाज की सेवा में स्वयं को और अधिक समर्पित करने के उनके संकल्प को और भी अधिक मजबूत किया।" उन्होंने कहा कि ऐसे जीवन के अनुभवों को और अधिक सकारात्मकता और प्रतिबद्धता में बदलना सभापति के उल्लेखनीय व्यक्तित्व को दशार्ता है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि सभापति श्री राधाकृष्णन अपनी पहली काशी यात्रा के दौरान मां गंगा के आशीर्वाद से अत्यंत प्रेरित हुए और उन्होंने मांसाहार त्यागने का व्यक्तिगत संकल्प लिया। यह निर्णय आहार संबंधी किसी भी निर्णय के बजाय उनकी आध्यात्मिक संवेदनशीलता और आंतरिक प्रेरणा को दशार्ता है। श्री मोदी ने कहा, "आपके नेतृत्व के गुण आपके छात्र जीवन से ही स्पष्ट हैं। आज, आप राष्ट्रीय नेतृत्व की दिशा में हम सभी का मार्गदर्शन करने के लिए यहां उपस्थित हैं। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है।"

पारंपरिक कलाकारों को वित्तीय सहायता

(जीएनएस)।

संस्कृति मंत्रालय द्वारा कला संस्कृति विकास योजना (केएसवीवाई) नामक केंद्रीय क्षेत्र की स्कीम संचालित की जाती है, जिसमें शामिल विभिन्न स्कीम घटकों के माध्यम से महाराष्ट्र राज्य सहित देश की पारंपरिक कलाओं और विभिन्न प्रकार की मंच कलाओं में अभ्यासरत संगठनों/कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इन स्कीमों का संक्षिप्त ब्यौरा अनुलग्नक-क पर दिया गया है। विगत तीन वर्षों के दौरान विभिन्न स्कीमों के अंतर्गत देश भर में राज्य-वार प्रदान की गई वित्तीय सहायता की राशि और सहायता प्राप्त सांस्कृतिक संगठनों/व्यक्तियों की संख्या का ब्यौरा अनुलग्नक-कक पर दिया गया है।

संस्कृति मंत्रालय द्वारा कला एवं संस्कृति से संबंधित स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कोई वित्तीय योजना संचालित नहीं की जाती है।

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा देने और वैश्विक क्षेत्र में भारत की छवि को अनुकूल रूप से संवर्धित करने के लिए संस्कृति मंत्रालय द्वारा "वैश्विक भागीदारी स्कीम" नामक योजना कार्यान्वित की जाती है। इसका उद्देश्य पारंपरिक कला एवं संस्कृति सहित भारतीय कला रूपों में अभ्यासरत कलाकारों को 'भारत महोत्सव' बैनर के तहत विदेशों में प्रस्तुति देने का अवसर प्रदान करना है।

सरकार पारंपरिक कला रूपों सहित कला और संस्कृति के विभिन्न रूपों को परिरक्षित, संवर्धित और प्रोत्साहित करने में निरंतर प्रयासरत रही है। भारत सरकार ने सात क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (जेडसीसी) स्थापित किए हैं जिनके मुख्यालय पटियाला (पंजाब), नागपुर (महाराष्ट्र), उदयपुर (राजस्थान), प्रयागराज (उत्तर प्रदेश), कोलकाता (पश्चिम बंगाल), दीमापुर (नागालैंड) और तंजावुर (तमिलनाडु) में स्थित हैं। ये क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र देश भर में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यकलापों और कार्यक्रमों का नियमित रूप से आयोजन करते हैं। इसके लिए वे पूरे भारत से लोक/जनजातीय कलाकारों को शामिल करते हैं जो इन कार्यक्रमों

के दौरान अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं।

यह जानकारी केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने आज लोकसभा में एक लिखित उत्तर में दी।

अनुलग्नक-क

गुरु-शिष्य परंपरा के संवर्धन के लिए वित्तीय सहायता (रेपर्टरी अनुदान)

इस योजना का उद्देश्य नाट्य समूहों, रंगमंच समूहों, संगीत मंडलियों, बाल रंगमंच आदि जैसे मंचकला कार्यकलापों की सभी शैलियों तथा गुरु-शिष्य परंपरा के अनुरूप नियमित आधार पर कलाकारों को उनके संबंधित गुरु द्वारा प्रशिक्षण देने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इसके अनुसार, रंगमंच, संगीत और नृत्य के क्षेत्र में 1 गुरु और अधिकतम 18 शिष्यों को सहायता प्रदान की जाती है। गुरु के लिए 15000/- रु. प्रतिमाह, कलाकारों की आयु के अनुरूप शिष्य के लिए 2000-10000/- रुपए प्रतिमाह सहायता राशि प्रदान की जाती है।

2. कला और संस्कृति के संवर्धन के लिए वित्तीय सहायता: इस स्कीम में निनलिखित घटक शामिल हैं :

. राष्ट्रीय महत्व के सांस्कृतिक संगठनों को वित्तीय सहायता

इस स्कीम घटक का उद्देश्य पूरे देश में कला और संस्कृति के संवर्धन में शामिल राष्ट्रीय महत्व के सांस्कृतिक संगठनों का संवर्धन और उन्हें सहायता प्रदान करना है। यह अनुदान उन संगठनों को दिया जाता है जिनका एक सुगठित प्रबंधन निकाय हो, जो भारत में पंजीकृत हों, जो अखिल भारतीय स्तर पर प्रचालन करते हुए राष्ट्रीय महत्व के हों और जिनके पास पर्याप्त कार्यबल हो और जिन्होंने विगत 5 वर्षों में से 3 वर्षों के दौरान सांस्कृतिक कार्यकलापों के लिए 1 करोड़ रुपये या उससे अधिक का व्यय किया हो। इस स्कीम के तहत सहायता की राशि 1.00 करोड़ रुपये तक है जिसे विशेष मामलों में 5.00 करोड़ रुपए तक बढ़ाया जा सकता है।

. सांस्कृतिक समारोह और निर्माण अनुदान (सीएफपीजी)

इस स्कीम घटक का उद्देश्य गैर-सरकारी संगठनों/ सोसाइटियों/ न्यासों/विश्वविद्यालयों आदि को संगोष्ठियां, सम्मेलन, शोध कार्य, कार्यशालाएं, महोत्सव, प्रदर्शनियां, विचार-गोष्ठियां, नृत्य निर्माण, नाटक-रंगमंच, संगीत आदि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है। सीएफपीजी के अंतर्गत 5 लाख रुपए का अधिकतम अनुदान प्रदान किया जाता है जिसे विशेष परिस्थितियों में 20.00 लाख रुपए तक बढ़ाया जा सकता है।

. हिमालय की सांस्कृतिक विरासत के परिरक्षण एवं विकास के लिए वित्तीय सहायता

इस स्कीम घटक का उद्देश्य दृश्य-श्रव्य कार्यक्रमों के माध्यम से शोध, प्रशिक्षण तथा प्रचार-प्रसार द्वारा हिमालय की सांस्कृतिक विरासत को संवर्धित एवं परिरक्षित करना है। हिमालयी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले राज्यों अर्थात जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। किसी संगठन के लिए निधियन की राशि प्रति वर्ष 10.00 लाख रुपए होती है जिसे विशेष मामलों में 30.00 लाख रुपए तक बढ़ाया जा सकता है।

कोयला मंत्रालय ने कुशल और टिकाऊ कोयला अन्वेषण को बढ़ावा देने के लिए 'अन्वेषण कार्यक्रमों और भूवैज्ञानिक रिपोर्टों' के लिए सरल अनुमोदन कार्यप्रणाली की शुरूआत की

(जीएनएस)।

देश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए कोयला और लिग्नाइट संसाधनों का तेज, अधिक कुशल और तकनीकी रूप से अन्वेषण आवश्यक है। कोयला मंत्रालय ऊर्जा की राष्ट्रीय आवश्यकता के अनुरूप, पारदर्शिता बढ़ाने, निजी क्षेत्र की भागीदारी को मजबूत करने और देश की ऊर्जा तैयारियों को सुदृढ़ करने हेतु प्रगतिशील सुधार लागू करता रहता है। यह पहल देश के लिए प्रक्रियाओं के आधुनिकीकरण और अन्वेषण इको सिस्टम को मजबूत करने की सरकार की प्रतिबद्धता को स्पष्ट करती है।

कोयला मंत्रालय ने पहले की कार्यप्रणाली की समीक्षा की है और यूसीआई-एनएबीईटी तथा ऐसी ही किसी अन्य समीक्षित, अधिसूचित और मान्यता प्राप्त पूर्वेक्षण एजेंसियों (एपीए) द्वारा तैयार कोयला और लिग्नाइट ब्लॉकों के लिए अन्वेषण कार्यक्रमों और भूवैज्ञानिक रिपोर्टों (जीआरएस) के अनुमोदन हेतु प्रक्रियाओं को सरल बनाया है। नई प्रक्रिया के लिए जनवरी 2022 में कोयला मंत्रालय की गठित समिति के अनुमोदन की आवश्यकता नहीं है। यह प्रमुख प्रक्रियात्मक सुधार अन्वेषण क्षेत्र में व्यापार सुगमता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कोयला मंत्रालय द्वारा प्रकाशित नई कार्यप्रणाली इसकी वेबसाइट पर उपलब्ध है।

हाल ही में किए गए सुधारों में, मान्यता प्राप्त निजी पूर्वेक्षण एजेंसियों की क्षमताओं का विस्तार और उपयोग करके, सरकार ने निजी अन्वेषण संस्थाओं में विश्वास व्यक्त किया है। इस दृष्टिकोण का उद्देश्य देश के कोयला संसाधनों के सतत विकास के लिए उनकी दक्षता, तकनीकी विशेषज्ञता और नवाचार का उपयोग करना है, साथ ही पारदर्शिता और उच्च तकनीकी मानकों का पालन सुनिश्चित करना है। भूवैज्ञानिक रिपोर्ट की अनुमोदन प्रक्रिया में कम से कम 3 महीने की बचत होगी, जिसके परिणामस्वरूप कोयला ब्लॉक का शीघ्र चालू हो सकेगा और कोयला ब्लॉक आवंटियों को समय पर लक्ष्य पूरे करने में सुविधा मिलेगी। इस सुधार से अन्वेषण में तेजी आने, अनुमोदन की समयसीमा कम होने और देश के कोयला संसाधनों की दीर्घकालिक सुरक्षा और सतत उपयोग में योगदान मिलने की उम्मीद है।

कोयला मंत्रालय ऐसे दूरदर्शी सुधारों के साथ, व्यापक ऊर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में देश को सुदृढ़ बना रहा है। अन्वेषण क्षमताओं को मजबूत करके और निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ाकर, मंत्रालय एक सुदृढ़ कोयला इको सिस्टम में मदद कर रहा है जो आने वाले वर्षों में विकसित भारत की आकांक्षाओं को बल प्रदान करेगा और राष्ट्र के लिए एक अधिक मजबूत, भविष्य के लिए तैयार ऊर्जा परिदृश्य का निर्माण करेगा।

चित्रनगरी संवाद मंच मुम्बई का मुशायरा

मुम्बई के रंगशारदा सभागार में आयोजित इंशाद के "नस्ल ए नौ भारत" मुशायरे का खुमार अभी उतरा भी नहीं था कि अगले दिन चित्रनगरी संवाद मंच में भी जोरदार मुशायरा हो गया। हँसी, ठहाकों और तालियों की गूंज के दौरान कुछ शायरों ने इतने उम्दा कलाम पढ़े कि सामयीन ने खड़े होकर उनका इस्तकबाल किया। इस धनक काव्य उत्सव में शामिल शायरों के नाम हैं - डॉ जुबैर अंसारी (लखनऊ), सुजीत सहगल 'हासिल'(धरमशाला), सोनू पाटिल (नागपुर), आशुतोष मिश्रा 'अजल' (दिल्ली), अलंकृत श्रीवास्तव (दिल्ली), हर्षल 'गाफिल' (पुणे), आयुष कश्यप (दिल्ली), कुमार कौशल (बरेली). इंशाद फाउंडेशन के प्रवर्तक नवीन जोशी 'नवा' के सान्निध्य में आयोजित इस काव्य संध्या का संचालन देवमणि पांडेय ने किया।

रविवार 30 नवम्बर 2025 को केशव गोरे स्मारक ट्रस्ट गोरेगांव के मृणालताई हाल में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत में अभिनेता शैलेंद्र गौड़ की पत्नी प्रीति गीता गौड़ को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वरिष्ठ कवि प्रदीप गुप्ता ने प्रीति गौड़ को एक बेहतरीन उद्घोषक और सम्वेदनशील अभिनेत्री बताते हुए कहा कि प्रीति ने हंसते मुस्कुराते हुए कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का सामना किया। वह हम सबके लिए प्रेरणा स्रोत है। वह हमारी स्मृतियों में हमेशा ज़िंदा रहेगी।

इस अवसर पर अभिनेत्री असीमा भट्ट के बेहतर स्वास्थ्य के लिए भी दुआ की गई। कार्यक्रम में मशहूर शायर तनोज दाधीच (कोटा), नवील सैयद, तौसीफ कातिब, तारिक जमाल, जीशान साहिर, हेमंत शर्मा, प्रतिमा सिन्हा, पूनम विश्वकर्मा, मधुबाला शुक्ल, प्रज्ञा मिश्र, नाजनीन, हरगोविंद विश्वकर्मा, अनुज वर्मा, सुनील तिवारी, धर्मेंद्र कुमार मिश्र, शामी एम इरफान तथा कई और रचनाकार मौजूद थे।

दूरसंचार विभाग ने मोबाइल हैंडसेट की वास्तविकता जांचने के लिए उसमें संचार साथी ऐप पहले से इंस्टॉल करने के निर्देश जारी किए

- इंस्टॉल ऐप पहली बार ओपन करते समय उपयोगकताओं को दिखने चाहिए और वे सुगम तथा कार्य सक्षम होने चाहिए
- निमार्ताओं को सुनिश्चित करना होगा कि डिवाइस सेटअप के दौरान ऐप आसानी से सुलभ हो और इसके फीचर डिसेबल्ड या प्रतिबंधित न हो
- संबंधित अनुपालन रिपोर्ट 120 दिनों में देनी होगी

(जीएनएस)।

नकली मोबाइल हैंडसेट खरीदने से लोगों को बचाने, दूरसंचार संसाधनों के संदिग्ध इस्तेमाल की आसानी से सूचना देने और संचार साथी पहल प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए, दूरसंचार विभाग ने दूरसंचार साइबर सुरक्षा प्रावधानों के तहत 28 नवम्बर, 2025 को निर्देश जारी कर देश में उपयोग के लिए मोबाइल हैंडसेट निमार्ताओं और आयातकों के लिए निम्नलिखित नियम अनिवार्य कर दिए हैं :

सुनिश्चित किया जाए कि देश में उपयोग के लिए निर्मित या आयातित सभी मोबाइल हैंडसेटों पर संचार साथी मोबाइल एप्लीकेशन पहले से इंस्टॉल हो।

सुनिश्चित किया जाए कि इंस्टॉल किए गए संचार साथी एप्लीकेशन उपयोगकताओं के उपयोग या डिवाइस सेटअप के समय आसानी से पूरी क्षमता और बिना किसी प्रतिबंध के उपलब्ध हों।

पहले से निर्मित ऐसे सभी उपकरणों और भारत में बिक्री हेतु मोबाइल हैंडसेट के निमार्ता और आयातक सॉफ्टवेयर अपडेट द्वारा इस ऐप का इस्तेमाल आगे बढ़ाने का प्रयास करें।

निदेर्शों में 90 दिनों में इसे कार्यान्वित करने और 120 दिनों के भीतर अनुपालन रिपोर्ट पेश करने को कहा गया है।

संचार साथी पहल : दूरसंचार विभाग ने साइबर धोखाधड़ी में दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग रोकने और दूरसंचार साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संचार साथी पहल शुरू की है। दूरसंचार विभाग ने संचार साथी पोर्टल और ऐप विकसित किया है जो लोगों को इंटरनेशनल मोबाइल इक्विपमेंट आइडेंटिटी नंबर के माध्यम से मोबाइल हैंडसेट की वास्तविकता जांचने में सक्षम बनाता है, साथ ही अन्य सुविधाएं जैसे संदिग्ध धोखाधड़ी संचार, खोए/चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट की रिपोर्ट करने, अपने नाम पर मोबाइल कनेक्शन की जांच करने, बैंकों/वित्तीय संस्थानों के विश्वसनीय संपर्क विवरण आदि की भी सहूलियत प्रदान करता है।

दूरसंचार सेवा नियमों के तहत केंद्र सरकार को अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल उपकरण पहचान संख्या युक्त दूरसंचार उपकरणों के निमार्ताओं को छेड़छाड़ किए गए दूरसंचार उपकरणों या आईएमईआई संख्या से संबंधित निर्देश जारी करने का अधिकार है। इसमें यह अनिवार्य है कि निमार्ता या आयातक नियम प्रभावशीलता के लिए केंद्र सरकार द्वारा जारी निदेर्शों का अनुपालन सुनिश्चित करें।

फर्जी या नकली आईएमईआई वाले मोबाइल हैंडसेट दूरसंचार साइबर सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन जाते हैं। दूरसंचार नेटवर्क में नकली/छेड़छाड़युक्त आईएमईआई के कारण ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है जहां अलग-अलग स्थानों पर एक ही अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल उपकरण पहचान संख्या युक्त अलग-अलग हैडसेट सक्रिय होते हैं और इनके विरुद्ध कार्रवाई करना चुनौतीपूर्ण बन जाता है। भारत में सेकेंड-हैंड मोबाइल उपकरणों का बड़ा बाजार है। ऐसे मामले भी देखे गए हैं कि इनमें चोरी, गुमशुदा या ब्लैकलिस्ट किए गए उपकरण दोबारा बेचे जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में इन मोबाइलों को खरीदने वाला भी अपराध में भागीदार बन जाता है और उसे आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है। ब्लॉक/प्रतिबंधित सूची में डाले गए आईएमईआई की जांच संचार साथी ऐप से की जा सकती है।

सांस्कृतिक धरोहर और संग्रहालयों का डिजिटलीकरण

सरकार सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण, संग्रहालयों के डिजिटलीकरण और सांस्कृतिक प्रसार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, संवर्धित वास्तविकता और अन्य उन्नत तकनीकों के उपयोग को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही है। इनसे संबंधित विभिन्न पहलों में राष्ट्रीय संस्मारक एवं पुरावशेष मिशन (एनएमएमए), संग्रहालय डिजिटलीकरण पहल, वर्चुअल रियलिटी (वीआर) और संवर्धित वास्तविकता (एआर) आदि का उपयोग करके इमर्सिव विज़िटर एक्सपीरियंस शामिल हैं। पर्यटकों के देखने के अनुभव को बेहतर बनाने और इसे बढ़ाने के लिए संस्कृति मंत्रालय के तहत विभिन्न संग्रहालयों में एआर-वीआर, प्रोजेक्शन, डिजिटल कियोस्क आदि जैसी आधुनिक डिजिटल तकनीकों को अपनाया गया है। संस्कृति मंत्रालय अपने संग्रहालयों में प्रदर्शित विभिन्न कलाकृतियों के डिजिटलीकरण के लिए "जतन" नामक एक सॉफ्टवेयर का भी उपयोग कर रहा है।

अब तक राष्ट्रीय स्तर के 8 प्रसिद्ध संग्रहालयों और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के 2 संग्रहालयों को जतन सॉफ्टवेयर के माध्यम से डिजिटल किया गया है। अब तक डिजिटाइज की गई कलाकृतियों को सम्बंधित वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग का उद्देश्य 'ट्यूलिप' के माध्यम से वंचित कारीगरों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने एवं विक्रय के लिए उन्हें ई-मार्केटिंग के माध्यम से एक वैश्विक मंच प्रदान करना है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण वर्तमान में मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में अवस्थित खजुराहो में विंध्य क्षेत्र में एक पुरातत्व संग्रहालय का अनुरक्षण करता है। संग्रहालय को हाल ही में वर्ष 2023 में नई प्रदर्शन दीघाओं को जोड़ने और जनता के देखने के लिए और अधिक पुरावशेषों को शामिल करने के साथ उन्नत किया गया है।

यह जानकारी केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने आज लोकसभा में एक लिखित उत्तर में दी।

विकासखंड कार्यालय के सामने ऑनलाइन हाजिरी साइकिल भत्ता विभाग से अलग काम करने को लेकर काली पट्टी बांधकर सचिवो ने जातया विरोध

असोथर

ग्राम पंचायत अधिकारी ग्राम विकास अधिकारी सामान्यय समिति के नेतृत्व में सचिवो ने जातया विरोध।

विकासखंड असोथर कार्यालय के सामने सोमवार को विभिन्न समस्याओं को लेकर काली पट्टी बांधकर जताया विरोध जानकारी और से शासन की ओर से ग्राम पंचायत सचिवों के लिए पंचायत भवन पर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने के लिए आदेश जारी किया गया है जिसका सचिवों ने काली पट्टी बांधकर विरोध जातया ग्राम पंचायत अधिकारी व ग्राम विकास अधिकारी समन्वय समिति के बैनर तले प्रदर्शन चेतावनी दे दी गई जिनकी जानकारी उच्च अधिकारियों को दे दी गई है ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के जिला

अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह ने बताया कि हम सभी फील्ड के कर्मचारी हैं हम लोगों से रात दिन छुट्टी आदि के दिन भी काम लिया जाता है। हमलोग पास काई ग्राम पंचायत का प्रभार रहता है अपने विभागीय कार्य के साथ -साथ गैर विभागीय दर्जनों कार्य कराए जाते हैं बल्कि विभागीय कर प्रभावित होता है ऑनलाइन हाजिरी उपस्थित कर्मचारीऑफिस हाजिरी होती फील्ड कर्मचारियों के नहीं होती ग्राम पंचायत स्तर और भी कर्मचारी तैनात हैं हाजिरी केवल सचिव की ही ली जाए यह भेदभाव पूर्ण सरकार किसी प्रकार के मोबाइल डाटा आदि भी नहीं दिया जाता न तो कोई भक्त इस स्थिति में अपने निजी मोबाइल से काम करना पड़ता है जो निरा गलत है इस स्थिति में 1 दिसंबरसे 4 दिसंबर तक काली पट्टी बांधकर विरोध करेंगे। इस मौके पर ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के जिला अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह , अजय पटेल, सचिन सिंह वीरेंद्र कुमार निषाद संजय त्रिवेदी आशीष पांडे दीपक तिवारी रंजीत यादव गौरी शंकर ललित गौतम आशुतोष सिंह गोरेलाल सोनम सिंह आदि उपस्थित रहे।

लखनऊ नगर निगम ने खदरा क्षेत्र में चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियानः पक्का पुल से खदरा चुंगी, डालीगंज क्रॉसिंग से अवैध कब्जे हटाए

(जीएनएस)।

लखनऊ नगर निगम ने शहर को अतिक्रमण मुक्त और यातायात को व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से सोमवार को एक सघन अभियान चलाया। महापौर सुषमा खर्कवाल के मार्गदर्शन और नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर यह कार्रवाई एक साथ शहर के कई जोनों में की गई। वहीं दूसरी तरफ

नगर निगम जोन 3 में जोनल अधिकारी आकाश कुमार के नेतृत्व में चलाया गया अतिक्रमण हटाओ अभियान। नगर निगम टीम के आने की सूचना जैसे ही खदरा क्षेत्र के लोगों को मिली तभी से हर किसी ने अपने बाहर रखे हुए सामान को किनारे कर लिया।अभियान पक्का पुल से खदरा चुंगी वाली रोड़ से गल्ला मंडी होते हुए पूर्णिया चौराहे तक चलाया गया। नगर निगम टीम के साथ मदेयगंज पुलिस भी साथ में रही मौजूद।रोड़ पर खड़ी हुई कुछ गाड़ियों के पुलिस ने काटे चालान, वहीं नगर निगम टीम ने रोड़ पर अतिक्रमण फैलाए हुए लोगों को लगाई फटकार। कुछ लोगों के ठेले काउंटर किए जब्त।तो कुछ लोगों का

फैला हुआ समान अंदर करवाया गया,अभियान में नगर निगम टीम के प्रभारी राजू शर्मा,नगर निगम कर्मचारी और साथ में मदेयगंज पुलिस भी मौके पर रही मौजूद।पक्का पुल से दाएं पटरी पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। इसमें से कुछ फल के ठेले,पान मसाला गुमटी,चिकन-मटन की दुकानें और एक जनरल स्टोर की टीनशेड को हटाया गया। इसके अतिरिक्त कुछ लोहे की गुमटी, 2 काउंटर,1 जाली और एक पानी की टंकी को जब्त किया गया। ये अभियान जल्द ही फिर से चलाया जाएगा जिसमें लोगों को समझाने का मौका नहीं दिया जाएगा। जिस किसी का सामान रोड़ पर दुकान के आगे दिखाई देगा उसको जब्त करके दुकानदारों के खिलाफ कार्यवाही भी की जाएगी।

कांग्रेस ओबीसी विभाग में नई ऊर्जा असरार नियाजी साहब बनाये गये AICC OBC विभाग का ज्वाइंट कोऑर्डिनेटर

इलाहाबाद के प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता असरार नियाजी साहब को AICC OBC विभाग का ज्वाइंट कोऑर्डिनेटर मनोनीत किया गया है।

यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी अक्ठउ डइउ विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिंद जी द्वारा सौंपी गई है। उनकी नियुक्ति पर कांग्रेस के अनेक वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें हार्दिक बधाई दी।

असरार नियाजी साहब की सक्रिय पृष्ठभूमिः

इलाहाबाद विश्वविद्यालय से छात्र राजनीति की शुरूआत करने वाले असरार नियाजी साहब पिछले कई वर्षों से जन मुद्दों, सामाजिक कार्यों और संगठनात्मक गतिविधियों में अग्रणी भूमिका निभाते रहे हैं।

लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं जननायक राहुल गांधी जी के ह्नसंविधान सम्मान सम्मेलनह्न के सफल आयोजन में भी उनकी सक्रिय भागीदारी रही है।

हजारीबाग, झारखंड के पूर्व जिला सचिव मोहम्मद वारिस ने इस नियुक्ति पर डॉ. अनिल जयहिंद साहब का हृदय से आभार व्यक्त किया और साथ ही कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे साहब का भी धन्यवाद दिया।

मोहम्मद वारिस ने कहा—

असरार नियाजी साहब जैसे वरिष्ठ, अनुभवी और जनसरोकार से जुड़े नेता के जुड़ने से कांग्रेस का डइउ विभाग निश्चित मजबूत, सक्रिय और प्रभावी होगा। बड़ी संख्या में लोग पार्टी से जुड़ेंगे और संगठन को नई शक्ति मिलेगी।

हार्दिक बधाई एवं ढेरों शुभकामनाएं

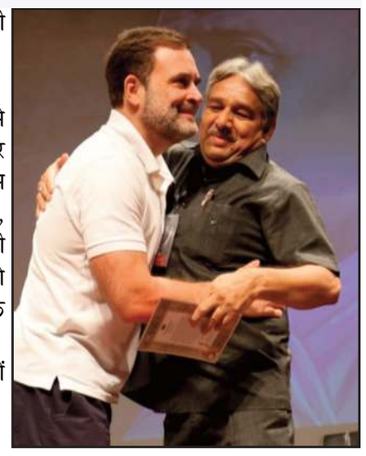

बुधवार को होगा जीएलए का 14-वां दीक्षांत समारोह : केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज समेत अन्य हस्तियां करेंगी शिरकत

मथुरा (जीएनएस)। जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा (उ.प्र.) का 14-वां दीक्षांत समारोह आगामी बुधवार को मनाया जाएगा। समारोह में वर्ष 2025 में विभिन्न पाठ्यक्रमों की शिक्षा प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय स्थित विशाल ऑडिटोरियम में होने वाले इस समारोह में मुख्य अतिथि केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी द्वारा वर्ष 2025 में आयोजित विभिन्न पाठ्यक्रमों के सफल विद्यार्थियों को 21 गोल्ड मेडल, 21 सिल्वर मेडल और सेंटर ऑफ डिस्टेंस ऑनलाइन एजुकेशन की 1166 डिग्रियों समेत 5 हजार 5 सौ 48 उपाधियां प्रदान करेंगे। इसके साथ ही बीएससी ऑनर्स बायोटेक, बीएससी ऑनर्स केमिस्ट्री, बीएससी ऑनर्स फिजिक्स, बीए ऑनर्स अंग्रेजी, बीबीए फैमिली बिजनेस, बीकॉम ऑनर्स ग्लोबल एकाउंटिंग, बीटेक बायोटेक्नोलॉजी, बीटेक सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, एमई सीसीवी, सीएस-सीएसएफ, बीकॉम ऑनर्स एलएलबी, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी, केमिस्ट्री, एमफार्म फामाकीलॉजी, फार्मास्युटिक्स, बीएड, डिप्लोमा फामेर्सी समेत डिप्लोमा इंजीनियरिंग के 24 विद्यार्थियों को मेरिट सर्टिफिकेट प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने आगे बताया कि जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा (उ.प्र.) से वर्ष 2025 में पीएचडी के 69, बीएससी ऑनर्स एग्रीकल्चर 71, बीएससी ऑनर्स बायोटेक के 21, बीएससी ऑनर्स कैमिस्ट्री के 19, बीएससी ऑनर्स फिजिक्स के 11, बीए ऑनर्स अंग्रेजी के 23, बीबीए के 215, बीबीए ऑनर्स 147, बीबीए फैमिली बिजनेस 24, बीकॉम ऑनर्स ग्लोबल एकाउंटिंग 10, बीकॉम ऑनर्स 59, बीटेक बायोटेक्नोलॉजी 24, बीटेक सिविल इंजीनियरिंग 39, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग 32, इलेक्ट्रॉनिक्स 5, मैकेनिकल इंजीनियरिंग 41, एमई ऑटोमोबाइल एवं मेकाट्रॉनिक्स 2, बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजी. 23, ईसी सीएस 34 एवं वीएलएसआई 9, कम्प्यूटर साइंस के 1138, बीटेक ऑनर्स सीएस 28, सीएस एआईएमएल 153, सीएस सीसीवी 25, सीएस डीए 34, सीएस सीएसएफ 24, सीएस आईआईओटी 7, बीसीए 476 एवं ऑनर्स 37, बीफार्म 77, बीएड 20, बीए एलएलबी ऑनर्स 42, बीकॉम एलएलबी ऑनर्स 12, एमएससी एग्रीकल्चर एग्रोनॉमी, एंटोमोलॉजी एवं जीपीबी 3, एमएससी बायोटेक 10, माइक्रो एंड इम्यूनोलॉजी 5, एमएससी कैमिस्ट्री 11, गणित 4, फिजिक्स 3, एमटेक सीई स्ट्रक्चरल व ट्रांसपोर्टेशन 4, एमटेक सीएस 7, ईई 2, ईसी 2, एमटेक एमई प्रोडक्शन 3, एमबीए 604, एमबीए-बीए 25, ऑनर्स 30, एफएमबी 33, इंटेग्रेटेड 8, एलएससीएम 27, एमसीए 240, एमफार्म फामाकीलॉजी एवं फार्मास्युटिक्स 25, एलएलएम बीएफआईएल एवं सीडीपीएल के 14 विद्यार्थियों की उपाधि अनुमोदित की गई हैं। इसके अलावा डिप्लोमा कैमिकल के 12, डिप्लोमा सिविल इंजी. के 29, डिप्लोमा सीएस के 79, डिप्लोमा ईई 68, डिप्लोमा ईसी के 15, डिप्लोमा एमई के 116, डिप्लोमा इन लाइब्रेरी इंफॉर्मेशन साइंस के 7 तथा डिप्लोमा इन फामेर्सी के 45 विद्यार्थियों को डिप्लोमा सर्टिफिकेट प्रदान किए जाएंगे। कुलपति ने बताया कि उपाधियों और स्वर्ण पदक प्रदान करने के बाद विशिष्ट अतिथि आईआईटी कानपुर भौतिकी विभाग के पूर्व प्रोफेसर पद्मश्री एचसी वर्मा तथा सिप्ला हेल्थ लि. मुंबई के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ शिवम पुरी संबोधन देंगे। इसके उपरांत मुख्य अतिथि केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी दीक्षांत भाषण देंगे। इस अवसर पर दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल करेंगे।

जीएलए संस्थान, कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल और कुलपति अनूप कुमार गुप्ता।

जाम से व्यापार चौपट होते देख व्यापारी नेता पहुंचे एसएसपी के पास

एसएसपी ने पैदल निरीक्षण करके जल्द समाधान का दिया आश्वासन

मथुरा (जीएनएस)। भीषण जाम से चौपट हो रहे व्यापार और आम लोगों को हो रही भारी परेशानी को लेकर व्यापार मंडल के पदाधिकारियों की नाराजगी के बाद एसएसपी ने गोवर्धन चौराहा और मंडी चौराहा का निरीक्षण किया। जानकारी के अनुसार महानगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नगर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल और महामंत्री शशिभानु गर्ग के नेतृत्व में भीषण जाम से चौपट हो रहे व्यापार को पटरी पर लाने के लिए दर्जनों व्यापारी नेता, जाम की समस्या का समाधान कराने के लिए एसएसपी श्लोक कुमार से मिले। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने विशेष रूप से महानगर के साथ-साथ हाईवे पर लगने वाले भीषण जाम की ओर एसएसपी का ध्यान आकर्षित किया। इसी के साथ व्यापारियों की मांग पर गोवर्धन चौराहा और मंडी समिति चौराहा पर लगने वाले जाम से व्यापारियों को होने वाली असुविधा का समाधान करने की मांग की गई। इसके बाद एसएसपी श्लोक कुमार ने गोवर्धन चौराहा और मंडी चौराहा का स्थलीय निरीक्षण करने के लिए

अधीनस्थ अधिकारियों और व्यापारी नेता सुनील अग्रवाल तथा शशिभानु गर्ग के साथ पहुंचे। एसएसपी ने स्थलीय निरीक्षण करते हुए गोवर्धन चौराहा से मंडी चौराहा तक पैदल ही निरीक्षण किया। इसी के साथ एसएसपी ने मौजूद अधीनस्थ अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। एसएसपी श्लोक कुमार ने व्यापार मंडल के पदाधिकारियों को आश्वासन दिया की पूरे मथुरा नगर में जाम से निजात दिलाने के लिए शीघ्र ही संबंधित सभी विभागों के अधिकारियों को लेकर व्यापार मंडल के साथ एक योजना तैयार की जाएगी। इस संबंध में व्यापार मंडल के नगर महामंत्री शशिभानु गर्ग ने बताया कि गोवर्धन रोड़ और मंडी समिति व्यवसाय समिति द्वारा बताया गया कि प्रतिदिन सुबह से लेकर रात्रि तक लगने वाले जाम और अवैध ईट मंडी के कारण यहां के व्यापारी बहुत परेशान हैं। उन्होंने कहा कि ग्राहकों के लिए जगह न होने और माल लेकर आने वाले वाहनों के लिए जाम व अवैध ईंट मंडी के कारण यहां का व्यापारी व्यापार बंद करने की स्थिति में आ गए हैं। वहीं नगर के अंदर के व्यापारियों द्वारा पूरे दिन जाम की हालात में व्यापार ना कर पाने से परेशानी होने पर नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के नगर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल और महामंत्री शशिभानु गर्ग एसएसपी श्लोक कुमार से मिले व समस्या समाधान के लिए स्थलीय निरीक्षण का आग्रह किया था। इस पर व्यापारी नेताओं के साथ एसएसपी ने अधीनस्थ अधिकारियों को लेकर मौके पर पहुंचे और पैदल पैदल निरीक्षण करके योजना बनाई गई। जिसमें तय किया गया की मुर्गा फाटक से गोवर्धन चौराहे तक नगर निगम सफेद लाइन खींचेगा, इसके अंदर ही वाहन खड़े होंगे। इसी के साथ गोवर्धन चौराहा और मंडी चौराहा को चारों तरफ से 100 मीटर तक नो पार्किंग जोन किया जाएगा। जिसमें कोई भी वाहन या ढकेल खड़े नहीं हो सकेंगे। नगर निगम अपने क्षेत्र में होने वाले चौराहे के अतिक्रमण को हटाएगा तथा विद्युत विभाग चौराहे की आसपास लगे खम्भों को स्थानांतरित करेगा। गोवर्धन चौराहे पर स्थित पुलिस चौकी से हो रही परेशानी व अतिक्रमण को गिराने के लिए उसमें स्थापित हरे पेड़ के लिए वन विभाग से अनुमति ली जाएगी। इसी के साथ मंडी चौराहे पर लगने वाले जाम से निपटने के लिए मंडी समिति के एक गेट से जाने व एक गेट से आने की व्यवस्था के लिए मंडी समिति सचिव से वार्ता की जाएगी। इसके साथ ही गोवर्धन चौराहे से मंडी चौराहे तक पैदल भ्रमण कर एसएसपी द्वारा मार्ग में मौजूद अतिक्रमणकारियों को सख्त हिदायत दी। इस दौरान एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह, सीओ ट्रैफिक प्रीतम पाल सिंह, सीओ रिफाइनरी श्वेता वर्मा, नगर कोतवाली प्रभारी विनोद बाबू मिश्रा, टीआई शौर्य कुमार, थाना प्रभारी हाईवे शैलेन्द्र सिंह, चौकी प्रभारी मंडी समिति चन्द्रवीर सिंह, चौकी प्रभारी कृष्णानगर विपिन तोमर, व्यापार मंडल अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, अशोक कुमार, कपिल अग्रवाल, दिनेश लोहिया, शुभम अग्रवाल, कन्हैयालाल अग्रवाल, अमित कुमार और निकुंज अग्रवाल

असहाय की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं : उपमन्यु

-बद्रीनाथ धाम मंदिर में लगा नेत्र चिकित्सा शिविर

मथुरा (जीएनएस)। बद्रीनाथ धाम मंदिर पर लगे निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का सैंकड़ों नेत्र रोगियों को लाभ लिया। एनयूजेआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं ब्रज प्रेस क्लब अध्यक्ष डा. कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट ने शिविर का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए कहा कि असहाय की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। मथुरा शहर भूतेश्वर स्थित बद्रीनाथ धाम मंदिर पर एक वृहद निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन श्रीजी बाबा नेत्र चिकित्सालय के सहयोग से किया गया। जिसकी शुरूआत मुख्य अतिथि श्री उपमन्यु ने दीप प्रज्वलित करके की। इसके उपरांत वहां परीक्षण कराने आए नेत्र रोगियों को परामर्श देने के साथ निःशुल्क दवाएं, चश्मे तथा फल भी वितरित किए गए। इसी के साथ 10 मोतीयाबिंद के मरीजों को एंबुलेंस द्वारा ऑपरेशन के लिए श्रीजी बाबा नेत्र चिकित्सालय भेजा गया। वहीं लगाए गए कैंप के उद्देश्य के बारे में जानकारी देते हुए बद्री नाथ भक्त मंडल की सदस्य ऊषा सोलंकी तथा चिकित्सकों की टीम ने बताया कि यह शिविर बहुत ही लाभदायक रहा। इसमें सैकड़ों नेत्र रोगियों ने नेत्र परीक्षण कराके उपचार का लाभ लिया। कार्यक्रम के अंत में श्री बद्रीनाथ धाम मंदिर के सेवायत एवं समाजसेवी धनेश चतुर्वेदी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

श्री बद्रीनाथ धाम मंदिर परिसर में दीप प्रज्वलित कर नेत्र चिकित्सा सेवा का शुभारंभ करते हुए ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष डा. कमलकांत उपमन्यु साथ में धनेश दत्त चतुर्वेदी और भाजपा नेता संजय।

शैक्षिक शोभायात्रा से होगा दीक्षांत समारोह प्रारंभ

मथुरा (जीएनएस)। जीएलए विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह के कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में कुलसचिव अशोक कुमार सिंह ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत शैक्षिक शोभायात्रा के आगमन, दीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना से होगी। इसके बाद कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल द्वारा दीक्षांत समारोह के प्रारम्भ की उद्घोषणा, कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय की प्रगति प्रतिवेदन, मानद उपाधि प्रदान करना, उपाधि प्रमाण पत्र वितरण, शपथ ग्रहण, पदक वितरण, मुख्य अतिथि द्वारा दीक्षांत सम्बोधन, धन्यवाद ज्ञापन व कुलाधिपति द्वारा दीक्षांत समारोह के समापन की उद्घोषणा के साथ राष्ट्रीयगान एवं शैक्षिक शोभायात्रा का प्रस्थान होगा।

कलर्स के 'तू जुलियट जट्ट दी' से संगीता घोष ने कहा– 'यह शो माता-पिता को आईना दिखाता है, कि कैसे प्यार कभी-कभी नियंत्रण में बदल जाता है'

जसमीत कौर (हीर), सैयद रजा अहमद (नवाब) और संगीता घोष (गुलाब) अभिनीत कलर्स का शो ह्यतू जुलियट जट्ट दीह्न एक जोशीली, नई पीढ़ी की प्रेम कहानी है, जो क्लासिक लव स्टोरी की धार ही बदल देता है। यहां पहले शादी होती है, फिर कॉलेज शुरू होता है और उसके बाद धीरे-धीरे प्यार पनपता है। चंडीगढ़ प्राइम यूनिवर्सिटी की पृष्ठभूमि पर आधारित यह शो दो बिल्कुल अलग स्वभाव वालों की कहानी है झ नवाब एक बेफिक्र जट्ट है जो अपने दिल और इम्पल्स पर जीता है। हीर एक फोकस्ड, महत्वाकांक्षी लड़की है जो अपने परिवार के लिए बेहतर जिंदगी बनाने के सपने के साथ जीती है। दोनों की दुनिया एक-दूसरे से बिल्कुल अलग है झ वह बिंदास, अनियंत्रित और आवेगी, जबकि वह अनुशासित, जमीन से जुड़ी और साफ दिशा वाली। लेकिन तकदीर उन्हें कॉलेज की शुरूआत से पहले ही एक मजबूरी की शादी में जोड़ देती है। युवाओं की इस हलचल और भावनात्मक टकराव के बीच खड़ी है गुलाब झ एक मां जिसका प्यार ही उसकी सबसे बड़ी ताकत भी है और कमजोरी भी। इस जटिल किरदार को जीवंत करने वाली संगीता घोष ने शो, अपने रोल और ह्यतू जुलियट जट्ट दीह्न को इतना अनोखा और दिल से जुड़ा बनाने वाले तत्वों पर खुलकर बात की।

1. हमें ह्यतू जुलियट जट्ट दीह्न और आपके किरदार गुलाब के बारे में बताइए। वह इस दुनिया का इतना अहम हिस्सा क्यों है?

अ. जो बात मुझे ह्यतू जुलियट जट्ट दीह्न की तरफ सबसे पहले खींचकर लाई, वह इसकी सच्चाई थी। दो युवाओं को, जो अभी कॉलेज के लिए भी तैयार नहीं हुए, शादी के बंधन में धकेल दिया जाता है झ यह शुरूआत से ही कहानी को बहुत दिलचस्प दिशा दे देता है। शो में एक युवा, रॉ-सी फील है और परिवार की जो डाइनामिक्स दिखाई गई हैं, वे बहुत जान-पहचान वाली लगती हैं। गुलाब इस दुनिया में बहुत नैचरली फिट हो जाती है। वह सालों से अपना घर अपने तरीके से चला रही है, इसलिए अचानक आने वाले बदलाव उसे परेशान करते हैं। वह खुलकर बोलती है, ईमानदारी से रिएक्ट करती है और जो उसे सही लगता है, उसके साथ मजबूती से खड़ी रहती है। यही सच्चाई कहानी को जमीन से जोड़े रखती है। एक कलाकार के तौर पर मुझे ऐसे किरदार पसंद हैं जो परफेक्ट बनने की कोशिश नहीं कर रहे होते, और गुलाब को निभाने का मजा भी मुझे इसी वजह से आता है।

2. इस रोल की तरफ आपको क्या आकर्षित किया और गुलाब आपके पहले के रोल्स से कैसे अलग है?

अ. गुलाब की सबसे खास बात यह है कि उसकी भावनाएं बहुत असली लगती हैं। उसे निभाते समय मुझे मां होने के अलग-अलग पहलुओं पर सोचने का मौका मिला। मैं खुद एक मां हूं, तो मैं बहुत अच्छे से समझ सकती हूं कि कैसे प्यार-प्यार में ही आप इतना प्रोटेक्टिव हो जाते हैं कि खुद को भी पता नहीं चलता। यही वह जगह है जहां मैं उससे जुड़ गई।

राजा महेन्द्र प्रताप को भारत रत्न देने की मांग पर प्रपौत्र के नेतृत्व में निकली प्रेम धर्म-पदयात्रा

मथुरा (जीएनएस)। महान स्वतंत्रता सेनानी "क्रांतिकारी" एवं समाज सुधारक स्व. राजा महेन्द्र प्रताप सिंह के 139-वें जन्मदिवस के पावन अवसर पर सोमवार को वृंदावन में एक विशाल प्रेम धर्म-पदयात्रा का आयोजन किया गया। यह पदयात्रा स्व. राजा महेन्द्र प्रताप सिंह को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न प्रदान किए जाने की मांग के समर्थन में निकाली गई थी, जिसमें बड़ी संख्या में समर्थक शामिल हुए। वृंदावन स्थित केसी घाट से समाधि स्थल तक पदयात्रा निकाली गई। इस ऐतिहासिक पदयात्रा का आयोजन स्व. राजा महेन्द्र प्रताप सिंह के प्रपौत्र कुंवर चरत प्रताप सिंह के नेतृत्व में किया गया। पदयात्रा सुबह 10 बजे परिक्रमा मार्ग स्थित केसी घाट से प्रारंभ हुई। पदयात्रा का

मुख्य उद्देश्य राष्ट्रनायक राजा महेन्द्र प्रताप सिंह के अतुलनीय योगदान को रेखांकित करना था। पदयात्रा का समापन समाधि स्थल पर हुआ, जहां उपस्थित गणमान्य लोगों और अनुयायियों ने राजा महेन्द्र प्रताप सिंह को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर प्रपौत्र ने किया योगदान याद। कुंवर चरत प्रताप सिंह ने इस अवसर पर स्व. राजा महेन्द्र प्रताप सिंह के विराट योगदान को याद करते हुए कहा कि राजा महेन्द्र प्रताप सिंह ने वर्ष 1909 में वृंदावन में देश का पहला पॉलिटेक्निक प्रेम महाविद्यालय स्थापित किया था।

उन्होंने देश की आजादी में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और 1915 में काबुल में प्रोविजनल गवर्नमेंट ऑफ इंडिया बनाई थी। वह एक लेखक, समाज सुधारक होने के साथ-साथ 1957 में मथुरा से सांसद भी चुने गए थे। कुंवर चरत प्रताप ने नागरिकों से इस पदयात्रा में सम्मिलित होकर मांग को बल देने की अपील की। इस मौके पर आयोजन को सफल बनाने में ललित चौधरी, अरविंद चौधरी, और डा. जेएस जाट जैसे प्रमुख सहयोगियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।